

आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "महात्मा गांधीजी की नज़रों में आत्मनिर्भर भारत" के विषय पर श्री वी आर मीना, वैज्ञानिक 'बी' द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया। [#आजादीकाअमृतमहोत्सव](#)


साबरमती आश्रम का इतिहास :-

गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से अपनी पढाई पूरी कर लेने के बाद भारत आये और अपने प्रथम आश्रम की स्थापना अहमदाबाद के कोचरब में जीवनलाल के बंगलों में किया. इस स्थान का नाम उन्होंने पहली बार सत्याग्रह आश्रम रखा. यह आश्रम उन्होंने 25 मई 1915 में स्थापित किया था. किन्तु गांधी अपने आश्रम में खेती बाड़ी, पशुपालन जैसा कार्य करना चाहते थे, जो इस आश्रम में मुमकिन नहीं था. अतः इसके उपरान्त उन्होंने 2 वर्ष के बाद इस आश्रम को 17 जून 1917 में साबरमती नदी के किनारे स्थापित किया. इस स्थान पर आश्रम स्थापित करने की वजह से इसे साबरमती आश्रम कहा गया.


ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर ऋषि दधिची का भी आश्रम रहा था. ऋषि दधिची ने अपनी अस्थियाँ एक असुर से युद्ध के समय देवों को प्रदान की थी. यह स्थान एक शमशान और जेल के मध्य स्थित है. यहाँ पर रहते हुए वर्ष 1930 तक इन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी. इस वजह से इस स्थान को एक ऐतिहासिक महत्व है. जब अंग्रेजों ने देश में नमक क़ानून पारित किया था, or Bharat in the eyes of Mahatma Gandhi by Shri V. R. Meena, Scientist 'C', CSMRS-20211001 C कर नमक क़ानून तोड़ा था. इस तरह से यह स्थान कई लोगों के लिए एक आदर्श स्थल बन गया, जहाँ पर गांधी जी के करीबी अनुयायी भी रहते थे.

अन्तराष्ट्रीय अहिंसा शांति दिवस

जनवरी 2004 में ईरानी नोबेल पुरस्कार विजेता शीरीन इबादी ने स्टूडेंट्स को अहिंसा के महत्व बताने के लिए अन्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की बात सभी के सामने रखी. जब यह बात भारत तक पहुँची तब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी और समर्थन मिलने पर भारत के विदेश मंत्री ने इसे सयुक्त राष्ट्र संघ के सामने रखा, जिसके लिए विधिवत वोटिंग की गई. इस प्रस्ताव को सामने आने के बाद 191 देशों में से 140 देशों ने इस बात का समर्थन किया, जिसके बाद 15 जून 2007 में गाँधी जयंती को अंतराष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस घोषित किया गया.


	NH	UV	EB	PJ
V R Meena	N. P. Honkanadavar	u s vidyarthi	Er. Kumar Lal Babu	Pankaj Joshi

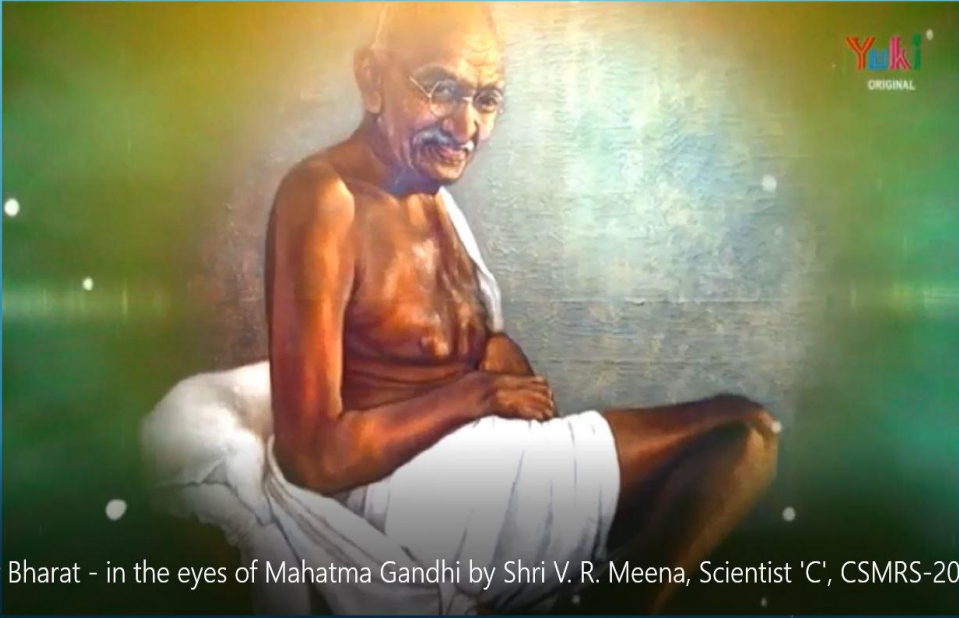
आत्मनिर्भर भारत अभियान



- ▶ भारत को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने 12 मई 2020 को इस अभियान की घोषणा की थी जिसमें उन्होंने देश को संबोधित करते हुए कहा था की भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए यह एक अच्छी पहल है। इस अभियान के तहत भारत आने वाले कुछ सालों में अधिकतर वस्तुओं का निर्माण भारत के किया जाएगा। इस कारण से ही इस अभियान का नाम आत्मनिर्भर रखा गया है।
- ▶ इस अभियान के तहत उन सभी विदेशी निर्भरताओं को कम करना है जिसकी वस्तुओं पर निर्भर न रहकर बाहर अपने स्वयं के स्तर पर अच्छी गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट को हमारे देश में ही तैयार करना है इस अभियान में शामिल है

manirbhar Bharat - in the eyes of Mahatma Gandhi by Shri V. R. Meena, Scientist 'C', CSMRS-20211001 0540-4 (1)

	NH	UV	AM	PJ
V R Meena	N. P. Honkanadavar	u s vidyarthi	AASHI MINA	Pankaj Joshi



manirbhar Bharat - in the eyes of Mahatma Gandhi by Shri V. R. Meena, Scientist 'C', CSMRS-20211001 0540